

F-DTN-M-QTJA

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS

Paper I

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Questions no. 1 and 5 which are compulsory, and any three of the remaining questions selecting at least one question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

IMPORTANT : *Whenever a question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous question attempted. This is to be strictly followed.*

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है ।

SECTION A

1. Comment on the following in approximately 150 words each : 12×5=60
- (a) Difference between normative and empirical theories of politics
 - (b) Difference between equality of opportunity and equality of outcome
 - (c) Difference between Liberal and Radical forms of Feminism
 - (d) Hannah Arendt's conception of the 'political'
 - (e) Issues of debate in contemporary democratic theory
2. (a) What is meant by 'relative autonomy' of State in Marxist analysis ? 20
- (b) Comment on the Marxist and Radical Humanist phases of M.N. Roy's thought. 15
- (c) Examine the multi-cultural perspectives on rights. 25
3. (a) 'Locke is an individualist out and out.' Substantiate this statement. 20
- (b) Distinguish between the concepts of legitimacy and hegemony. 20
- (c) Why is 'affirmative action' important in provision of equal opportunity ? 20

खण्ड क

1. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हो : 12×5=60
- (क) राजनीति की मानकीय और आनुभविक थियोरियों के बीच अन्तर
- (ख) अवसर की समानता और परिणाम की समानता के बीच अंतर
- (ग) नारी-अधिकारवाद के उदारवादी और कट्टरतावादी रूपों के बीच अंतर
- (घ) हन्ना आरेंट की 'राजनीतिक' की संकल्पना
- (ङ) समकालीन लोकतांत्रिक थियोरी में वाद-विवाद के मुद्दे
2. (क) मार्क्सवादी विश्लेषण में राज्य की 'सापेक्ष स्वायत्तता' का क्या तात्पर्य है ? 20
- (ख) एम. एन. रॉय की विचारधारा के मार्क्सवादी और कट्टर मानवतावादी प्रावस्थाओं (फेजों) पर टिप्पणी कीजिए । 15
- (ग) अधिकारों पर बहु-सांस्कृतिक परिदृश्यों का परीक्षण कीजिए । 25
3. (क) 'लॉक पूर्णरूपेण एक व्यक्तिवादी है ।' इस कथन की पुष्टि कीजिए । 20
- (ख) वैधता और आधिपत्य की संकल्पनाओं के बीच विभेदन कीजिए । 20
- (ग) समान अवसर की व्यवस्था करने में, 'पुष्टिकारी (एफमेंटिव) कार्रवाई' क्यों महत्वपूर्ण है ? 20

4. (a) Examine the Gandhian idea of village community as an ideal unit of self-governance. 20
- (b) Draw parallels between Arthashastra tradition and the 'Realist' tradition represented by Machiavelli. 20
- (c) Write a note on the Buddhist tradition in Indian political thought. 20



4. (क) स्व-शासन की एक आदर्श इकाई के रूप में, ग्राम-समुदाय के गांधीवादी विचार का परीक्षण कीजिए । 20
- (ख) अर्थशास्त्र परंपरा और मैकियावेली द्वारा निरूपित 'यथार्थवादी' परंपरा के बीच के समान बिंदुओं को उजागर कीजिए । 20
- (ग) भारतीय राजनीतिक चिंतन में, बुद्धवादी परंपरा पर एक टिप्पणी लिखिए । 20



SECTION B

5. Comment on the following in approximately 150 words each : 12×5=60
- (a) Efficacy of Satyagraha as moral resistance to colonial rule
 - (b) Judicial activism and social change
 - (c) Role of National Commission for Women in India
 - (d) Demands for the creation of new States in India
 - (e) Doctrine of Basic Structure of the Indian Constitution
6. (a) Discuss the extent to which the Indian Constitution reflects successful reconciliation of alternative perspectives. 30
- (b) Examine the relevance of Directive Principles in the era of liberalisation and globalization. 30
7. (a) Examine the impact of coalition-politics on Indian political system. 30
- (b) Critically examine Green Revolution as a strategy for sustainable agricultural development. 30
8. (a) Examine the efficacy of available mechanisms for resolving inter-State disputes in India. 30
- (b) Discuss the impact of environmentalist movements on government policies in recent years. 30

खण्ड ख

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हो : 12×5=60
- (क) औपनिवेशिक शासन के नैतिक प्रतिरोध के रूप में सत्याग्रह की प्रभावोत्पादकता
- (ख) न्यायिक सक्रियता और सामाजिक परिवर्तन
- (ग) भारत में राष्ट्रीय महिला आयोग की भूमिका
- (घ) भारत में नए राज्यों के निर्माण की माँगें
- (ङ) भारत के संविधान की आधारिक संरचना का सिद्धांत
6. (क) विवेचन कीजिए कि भारत का संविधान किस सीमा तक वैकल्पिक परिप्रेक्ष्यों के सफल सामंजस्य को प्रतिबिंबित करता है। 30
- (ख) उदारीकरण एवं वैश्वीकरण के काल में निदेशक सिद्धांतों की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए। 30
7. (क) भारत के राजनीतिक तंत्र पर गठबंधन-राजनीति के प्रभाव का परीक्षण कीजिए। 30
- (ख) धारणीय कृषि विकास के लिए एक रणनीति के रूप में हरित क्रांति का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 30
8. (क) भारत में अंतर्राज्य विवादों को सुलझाने के लिए उपलब्ध यांत्रिकत्वों की प्रभावोत्पादकता का परीक्षण कीजिए। 30
- (ख) हाल के वर्षों में सरकारी नीतियों पर पर्यावरणवादी आंदोलनों के प्रभाव का विवेचन कीजिए। 30

राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

प्रश्न-पत्र I

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं । बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं ।

महत्त्वपूर्ण : यह आवश्यक है कि जब भी किसी प्रश्न का उत्तर दे रहे हों, तब उस प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर साथ-साथ दें । इसका अर्थ यह है कि अगले प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आगे बढ़ने से पूर्व पिछले प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर समाप्त हो जाएँ । इस बात का कड़ाई से अनुसरण कीजिए ।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े हुए पृष्ठों को स्याही में स्पष्ट रूप से काट दें । खाली छूटे हुए पृष्ठों के बाद लिखे हुए उत्तरों के अंक न दिए जाएँ, ऐसा हो सकता है ।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.